

दयानन्द महिला महाविद्यालय, कुरुक्षेत्र

आवश्यक सूचना

दिनांक 11.08.2017

सभी छात्राओं एवं प्राध्यापिकाओं को सूचित किया जाता है कि योगीराज श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के उपलक्ष्य में 12.08.2017 (शनिवार) को प्रातः 11.00 बजे महाविद्यालय सभागार में विस्तार भाषण का आयोजन आर्य युवती परिषद् की ओर से किया जा रहा है। आप सभी की उपस्थिति प्रार्थनीय है।

प्राचार्या

संयोजिका

(आर्य युवती परिषद्)

दयानन्द महिला महाविद्यालय, कुरुक्षेत्र

आवश्यक सूचना

दिनांक 11.08.2017

सभी छात्राओं एवं प्राध्यापिकाओं को सूचित किया जाता है कि योगीराज श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के उपलक्ष्य में 12.08.2017 (शनिवार) को प्रातः 11.00 बजे महाविद्यालय सभागार में विस्तार भाषण का आयोजन आर्य युवती परिषद् की ओर से किया जा रहा है। आप सभी की उपस्थिति प्रार्थनीय है।

प्राचार्या

संयोजिका

(आर्य युवती परिषद्)

12-8-2017

(1)

Attendance of Ext. lect

Sl. No.	Name	Roll No.	Class
1	Manita	2525	BA (F) Gen.
2	Unice	2512	"
3	Ektta	2507	"
4	Rita	2503	"
5	Seema	2529	"
6	Vascha	2526	"
7	Asti	2520	"
8	Neelam	2566	"
9	Meha	2531	"
10	Pinki	2562	"
11	Sonia	2582	"
12	Prince	2541	"
13	Deekha	2519	"
14	Manika	2515	"
15	Pita	2578	"
16	Dimple	2532	"
17	Prapti	2571	"
18	Asti	2610	"
19	Anu	2646	"
20	Mangu	2528	"
21	Jyoti	2598	"
22	Anita	2647	"
23	Jyoti	2637	"
24	Kusha	2687	"

3A III (G)

25	Ankita	2673	
26	Guman	2670	4
27	Angali	2707	"
28	Arti	2708	"
29	Ashi	2732	"
30	Pooja	2728	4
31	Kajal	2724	4
32	Sydesu	2830	4
33	Anchal	2818	4
34	Nisha	2809	"
35	Ankita	2573	"
36	Kajal	2560	"
37	Chanda	2876	"
38	Jyoti	2863	"
39	Sonia	2843	"
40	Harita	2838	"
41	Senam	2834	"
42	Karamjit	2821	"
43	Ritu	2807	"
44	Meera	2804	"
45	Sonia	2800	"
46	Ritu	2895	"
47	Mangesh	2819	"
48	Aleha	2890	"
49	Arti	2874	"
50	Kajal	2719	"
51	Ritu	2714	"
52	Meenakshi	2711	"
53	Shrin	2805	"
54	Rachna	2742	"
55	Rachna	2735	4

88.	Neha	2734
89.	Vidhushi	2725
90.	Jasmeen	2716
91.	Kavita	2738
92.	Renu	2740
93.	Kulfi	2741
94.	Ritu	2742
95.	Sania	2748
96.	Renu	2751
97.	Aleha	2754
98.	Neha	2757
99.	Chanchal	2698
100.	Asti	2696
101.	Preeti	2697
102.	Sapna	2689
103.	Sapna	2522
104.	Awan	2523
105.	Bharna	2844
106.	Reena	2815
107.	Pooja	2804
108.	Sakshi	2808
109.	Sushma	2806
110.	Aditi	2819
111.	Shilpa	2802
112.	Pooja	2803
113.	Neha	2831
114.	Swati	2826
115.	Pooanam	2835
116.	Rajul	2831
117.	Rishi	2839

BA F Gen

"

"

"

"

"

"

"

"

"

"

"

"

"

"

"

"

"

BA (F) (Voc)

"

"

"

"

"

"

"

"

"

"

"

"

110	Lalita	2834	"
119	Archal	2838	"
120	Meesar	2829	"
121	Tina	3265	BA II (Gen)
122	Baby	3260	"
123	manisha	3286	"
124	Rubi	3259	"
125	monica	3267	"
126	monika	3114	"
127	Suman	3117	"
128	Kegan	3220	"
129	Reta	3128	"
130	Rishi	3107	"
131	Preeti	3270	"
132	Reta	3121	"
133	Rimpi	3122	"
134	Jayal	3126	"
135	Nanita	3127	"
136	Annu	3271	"
137	Rita	3258	"
138	Meha	3249	"
139	Jyoti	3240	"
140	Reta	3301	"
141	Reta	3308	"
142	Shikha	3124	"
143	Karamjeet	3123	"
144	Asha	3315	"
145	Ashu	3208	"
146	Jamal	3311	"
147	Senia	3305	"

			BAIT (G)
148	Utsa	3289	"
149	Komal	3213	"
150	Meha	3214	"
151	Shivani	3112	"
152	Pooja	3108	"
153	Kajal	3312	"
154	Kajal	3313	"
155	Sapna	3314	"
156	Alancy	3131	"
157	Muskan	3135	"
158	Nasira	3206	"
159	Selshi	3317	"
160	Jyoti	3318	"
161	Rupa	3193	"
162	Sanam	3188	"
163	Kusum	3186	"
164	Mamta	3189	"
165	Kajal	3109	"
166	Priyanka	3118	"
167	Jyoti	3230	"
168	Arshi	3307	"
169	Pooja	3299	"
170	Komal	3284	"
171	Anjali	3287	"
172	Sumitra	3109	"
173	Priti	3110	"
174	Komal	3106	"
175	Priyanka	3217	"
176	Sareta	3225	"
177	Santu	3302	"

208. Menica	3659	BAU (Voc.)
209 Megha	3601	"
210 Priya	3605	"
211 Anju	3625	"
212 Meenu	3617	"
213 Aditi	3612	"
214 Preeti	3664	"
215 Ritu	3623	"
216 Asti	3624	"
217 Madu	3649	"
218 Kajal	3641	"
219 Pooja	3638	"
220 Rimghim	3626	"
221 Sakshi	3622	"
222 Manisha	3606	"
223 Shukha	3616	"
224 Menica	3602	"
225 Madhubala	3645	"
226 Unjal	3680	"
227 Rubika	3654	"
228 Rajni	3651	"
229 Anbika	3628	"
230 Tanna	3613	"
231 Tamra	3614	"
232 Hemani	3611	"
233 Falak	3609	"
234 Simran	3653	"
235 Meshra	3634	"
236 Mishri	3512	B Com - II Gen
237 Bandhan	3518	"
238 Anjali	3527	"

2	Komal	3524	Blendi Gen
240	Anju	3541	"
241	Selza	3523	"
242	Diksha	3522	"
243	Sabna	3576	"
244	Rohini	3574	"
245	Anamika	3579	"
246	Preeti	3525	"
242	Archal	3571	"
247	Gita	3505	"
249	Bhali Devi	3506	"
250	Alka	3501	"
251	Pooja	3536	"
252	Anju	3537	"
252	Prashi	3529	"
254	Shivani	3533	"
255	Komal	3534	"
255	Komal	3535	"
256	Poal	3578	"
257	Nandini	3580	"
259	Suhani	3545	"
259	Palak	3582	"
260	Aszes	3599	"
261	Angelika	3590	"
262	Vidhi	3586	"
263	Mamta	3565	"
264	Sarita	3588	"
265	Poal	3588	"

266	Sonam	4042	B-Com II (Voc)
267	Suman	4028	"
268	Meenu	4024	"
269	Minal	4020	"
270	Aditi	4018	"
271	Sonia	4016	"
272	Jyoti	4012	"
273	Actal	4010	"
274	Iyal	4001	"
275	Slalu	4020	"
276	Anjali	4061	"
277	Sara	4081	"
278	Karun	4078	"
279	Kajal	4059	"
280	Ritesh	4042	"
281	Anjali	4022	"
282	Chitra	4083	"
283	Vandana	4054	"
284	Sonal	4071	"
285	Meha	4077	"
286	Mirnal		
287	Jyoti	3731	B.Com II (SFS)
288	Isha	3724	"
289	Bhathi	3750	"
290	Mila	3742	"
291	Priyanka	3707	"
292	Ritu	3713	"
293	Arima	3727	"
		3740	

294	Suman	2129	Bsc I (N.M)
295	Nikita	2113	"
296	Dakora	2145	"
297	Salashi	2101	"
298	Pooja	2114	"
299	Divya	2125	"
300	Rubi	2111	"
301	Madhvi	2136	"
302	Kajal	2117	"
303	Mamta	1531420021	B.A I (C)
304	Ashu	28	"
305	Ankita	33	"
306	Komal	31	"
307	Anju	238	"
308	Kajal	28	"
309	Crima	257	"
310	Deepa	91	"
311	Antra	04	"
312	Shiwani	10	"
313	Aarti	189	"
314	Aarzu	99	"

Annu

दयानन्द महिला महाविद्यालय, कुरुक्षेत्र
प्रेस-नोट

आज दिनांक 12.08.17 को दयानन्द महिला महाविद्यालय, कुरुक्षेत्र में आर्य युवती परिषद् के द्वारा जन्माष्टमी पर्व के उपलक्ष्य में विस्तार भाषण का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्यातिथि के रूप में प्रो. डॉ. राजेन्द्र विद्यालंकार, महासचिव महाविद्यालय प्रबन्धक समिति, पूर्व निदेशक संस्कृत एवं प्राच्य विद्या संस्थान, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र एवं ओ.एस.डी. राज्यपाल हिमाचल प्रदेश उपस्थित रहे। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. विजयलक्ष्मी सिंह जी के द्वारा पुष्प गुच्छ भेंट कर अतिथि जी का स्वागत अभिनन्दन किया गया। मनोविज्ञान विभाग से प्रो. उर्मिल पंघाल ने उनके औपचारिक परिचय से छात्राओं को परिचित कराया। मुख्यातिथि महोदय ने छात्राओं को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर योगीराज श्रीकृष्ण : भ्रान्तियां एवं उनका निवारण विषय पर सम्बोधित करते हुए कहा भारत एक ऐसा देश है जो पूरे विश्व में सम्प्रदायों, ऋतुओं एवं ज्ञान की दृष्टि से सबसे समृद्ध है। किन्तु दुःख का विषय है कि फिर भी युवा पीढ़ी में संस्कृति एवं परम्परा का हास होता जा रहा है। इसका एक उदाहरण वर्तमान समय में योगीराज श्रीकृष्ण के स्वरूप से सम्बन्धित भी है। जैसा स्वरूप अज्ञानता वश श्रीकृष्ण का दिखाया गया है। हमने उसे वैसा ही स्वीकार कर लिया। श्रीकृष्ण को रास रचाने वाला कहा गया हैं, जबकि वे योगीराज थे। सम्पूर्ण महाभारत में राधा नामक केवल एक पात्र है जो कर्ण का पालन करने वाली माता थी, अन्य कोई राधा नामक पात्र नहीं था। मूर्खता के वशीभूत होकर हमने अपने स्वार्थानुसार उसे ऐसा रूप दे दिया। जो विचारधारा पूरी युवा पीढ़ी को सांस्कृतिक दृष्टि से विकृत कर रही हैं। उसी का ही दूसरा उदाहरण उन्होंने पाखंड फैलाने वाले धूर्तों पर व्यग्यं करते हुए इतिहास का उदाहरण देते हुए कहा कि भारत में इतने शूरवीर योद्धा थे, किन्तु सोमनाथ तीर्थ पर आक्रमण के समय उन्होंने महमूद गजनबी पर शस्त्र नहीं उठाए क्योंकि कहा गया कि आज देव रूष्ट है कोई शस्त्र नहीं उठाएगा। उन्होंने छात्राओं को बताया कि क्रान्ति रक्तपात से या बाजुओं के बल से नहीं लाई जा सकती, अपितु विचारों से क्रान्ति लाई जाती है। इसलिए वैचारिक क्रान्ति लाने के लिए आप सबका विचारों से सशक्त होना अत्यन्त आवश्यक है। उन्होंने पाखंडों से बचकर रहने के लिए कहा तथा उनके लिए तर्क के आधार पर विवेकी बनने की कामना की। ताकि भविष्य में वैज्ञानिक सोच को अपनाकर कुरीतियों को मिटा सके। जिससे पुनः हमारा देश स्वच्छ एवं सुन्दर बन सकेगा। अन्त में महाविद्यालय प्राचार्या डॉ. विजयलक्ष्मी सिंह जी द्वारा मुख्यातिथि जी का महाविद्यालय एवं छात्राओं की ओर से धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने कहा कि आज के ओजस्वी वक्तव्य में हम सब के लिए इतिहास एवं संस्कृति से जुड़कर रहने का संदेश निहित था। सांस्कृतिक विरासत को सहेजना हमारा दायित्व है। संसार में जिस प्रकार भ्रान्तियां फैली हुई है, उन्हीं से दूर रहना आज के समय में सबसे आवश्यक कार्य है। छात्राओं की ओर से उन्होंने मुख्यातिथि जी को आश्चस्त भी किया कि हमारी महाविद्यालय की छात्राएँ इसी मार्ग पर चलकर एक सशक्त महिला होकर जीवन में अवश्य ही सफल होगी। योगीराज श्रीकृष्ण के जीवन से प्रेरणा लेकर वे आडम्बरों एवं पाखण्डों से भी दूर रहेगी। इस अवसर पर आर्य युवती परिषद् की संयोजिका डॉ. सुमन राजन, कुमारी कुसुम लता, कुमारी ऋचा, सदस्य प्राध्यापिकाएं, अन्य प्राध्यापिका वर्ग एवं छात्राएं उपस्थित रही।

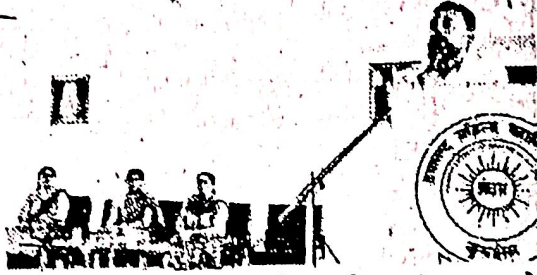


2017-18



द्वैविक भारकर - 13/8/2017

पाखंडों से बचकर तर्क के आधार पर
विवेकी बनें : डॉ. विद्यालंकार



कुरुक्षेत्र | डीएन कॉलेज में शनिवार को आर्य युवती परिषद् की ओर से जन्माष्टमी के उपलक्ष्य में भाषण प्रतियोगिता कराई गई। इसमें मुख्यातिथि प्रबंधक समिति के महासचिव डॉ. राजेंद्र विद्यालंकार थे। उन्होंने छात्राओं को भ्रांतियां एवं उनका निवारण विषय पर संबोधित किया। उन्होंने कहा कि अज्ञानता के कारण श्रीकृष्ण को जैसा हमें दिखाया गया वैसा ही हमने स्वीकार कर लिया। डॉ. विद्यालंकार ने कहा कि वैचारिक क्रांति लाने के लिए सबका विचारों से सशक्त होना जरूरी है। उन्होंने पाखंडों से बचकर रहने के लिए कहा और तर्कों के आधार पर विवेकी बनने की कामना की। इस अवसर पर आर्य युवती परिषद् की संयोजिका डॉ. सुमन राजन, कुसुम लता और ऋचा मौजूद थीं।